दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-२७९ वा | शुक्रवार ९ मे २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

भारत का बड़ा जवाब: ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान की एयर डिफेंस सिस्टम ध्वस्त, लाहौर तक मिली खुली पहुंच

नई दिल्ली। एजेंसी

पाकिस्तान द्वारा भारत पर किए गए हमलों के जवाब में भारतीय सेना ने सख्त कार्रवाई करते हुए लाहौर समेत कई इलाकों की एयर डिफेंस सिस्टम को निष्क्रिय कर दिया है। भारतीय सेना ने इस कार्रवाई की जानकारी प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। कर्नल सोफिया कुरैशी, विंग कमांडर व्योमिका सिंह और विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जैसवाल ने संयुक्त रूप से मीडिया को जानकारी दी कि भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत यह जवाबी हमला किया। भारत ने यह स्पष्ट किया था कि वह पाकिस्तान पर पहले हमला नहीं करेगा, लेकिन यदि हमला होता है तो जवाब ज़रूर देगा। इसके बाद पाकिस्तान ने अमृतसर, अवंतीपुरा, श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट सहित भारत के १५ शहरों को निशाना बनाने की कोशिश की, लेकिन भारतीय सुरक्षा बलों ने समय रहते उन सभी हमलों को विफल कर दिया।

इसके जवाब में भारत ने पाकिस्तान की कई रडार प्रणाली और एयर डिफेंस सिस्टम को निशाना बनाया, जिसमें लाहौर की एयर डिफेंस सिस्टम भी पूरी तरह नष्ट कर दी गई। पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा (डेउ) पर भी गोलाबारी और तोपों से हमला किया, जिसमें कुपवाड़ा, बारामुला, उरी और पुंछ के इलाके प्रभावित हुए। इस हमले में १६ नागरिकों की मौत हुई, जिनमें ३ महिलाएं शामिल हैं।

भारत ने स्पष्ट किया है कि उसके जवाबी हमलों में किसी भी पाकिस्तानी आम नागरिक को नुकसान नहीं पहुंचाया गया, बल्कि केवल आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया गया है। इससे पहले भारत ने उरी और पठानकोट हमलों के सबूत भी पाकिस्तान को सौंपे थे, लेकिन वहां से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। उल्टा पाकिस्तान ने उन सबूतों का इस्तेमाल आतंकियों को बचाने में किया। पाकिस्तान की ओर से यह दावा किया गया है कि भारतीय हमलों में कुछ मस्जिदों को नुकसान पहुंचा है, लेकिन भारतीय सेना ने इसे पूरी तरह खारिज किया है। सेना का कहना है कि जिन स्थानों पर हमले किए गए, वे सभी आतंकी प्रशिक्षण शिविर थे, जिनमें आतंकियों को धार्मिक आड़ में प्रशिक्षित किया जा रहा था।

सेना ने बताया कि १६ अप्रैल को पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष ने धार्मिक भावनाएं भड़का कर आतंकवादियों को उकसाया, जिसके बाद २२ अप्रैल को पहलगाम में आतंकी हमला हुआ। अब पाकिस्तान भारत की कार्रवाई का जवाब देने की बात कर रहा है, लेकिन वास्तविकता यह है कि भारत ही पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का जवाब दे रहा है।

'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारत ने पाकिस्तान को करारा झटका दिया है और यह ऑपरेशन अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। हाल ही में भारत ने एक और बड़ी कार्रवाई करते हुए लाहौर की रक्षा के लिए तैनात की गई चीन निर्मित क्ट-९ एयर डिफेंस सिस्टम को भी तबाह कर दिया है। इसके बाद लाहौर का हवाई कवच पूरी तरह समाप्त हो गया है। इस कारवाई से भारत को लाहौर तक खुली हवाई पहुंच मिल गई है और अब भारतीय वायुसेना के सुखोई और राफेल जैसे फाइटर जेट्स को कम खतरा रहेगा।

विशेषज्ञों के अनुसार, अब यदि पाकिस्तान दोबारा हमला करता है, तो भारतीय वायुसेना लाहौर तक पहुंचकर किसी भी वक्त बमबारी करने में सक्षम होगी। इसे भारत की सामरिक बढ़त और बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है।

अंबाजोगाई के पिंपरी गांव में भोजन से विषबाधा, ५० लोग अस्पताल में भर्ती

अंबाजोगाई। प्रतिनिधि

अंबाजोगाई तालुका के पिंपरी गांव में सामूहिक भोज के दौरान भोजन से विषबाधा की घटना सामने आई है। इस घटना में करीब ५० लोग बीमार हो गए, जिन्हें अंबाजोगाई, लातूर और घाटनांदूर के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। सभी रोगियों की हालत अब खतरे से बाहर बताई जा रही है और उनका उपचार जारी है।

जानकारी के अनुसार, पिंपरी गांव में पंद्रह दिनों तक चलने वाले ग्राम भोज कार्यक्रम के तहत प्रत्येक सप्ताह दो बार सामूहिक भोजन की व्यवस्था की जाती है। इसी क्रम में आयोजित भोज में करीब ८०० लोगों के लिए भोजन तैयार किया गया था। भोजन करने के बाद लगभग ५० लोगों को मिचली और उल्टी की शिकायत हुई, जिसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया।

इनमें से ३५ मरीजों को अंबाजोगाई के स्वाराती रुग्णालय में जबकि १५ को लातूर के अस्पताल में भर्ती किया गया। इसके अलावा, कुछ लोगों को घाटनांदूर के ग्रामीण अस्पताल में प्राथमिक उपचार के लिए ले जाया गया था।

घटना की जानकारी मिलते ही सहायक जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बालासाहेब लोमटे ने घटनास्थल, अंबाजोगाई के अस्पताल और घाटनांदूर के ग्रामीण अस्पताल का दौरा किया। उन्होंने बताया कि पिंपरी गांव के भोजन कार्यक्रम में परोसे गए खाने के नमूने लातूर की प्रयोगशाला में परीक्षण के लिए भेजे गए हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि प्रयोगशाला की रिपोर्ट आने के बाद ही विषबाधा के वास्तविक कारण का पता चल सकेगा।

महाराष्ट्र में तेज़ बारिश का अलर्ट, मुंबई और ठाणे में तापमान में गिरावट

मुंबई। प्रतिनिधि

पूरे महाराष्ट्र में एक बार फिर तेज़ हवाओं और गरज-चमक के साथ हुई बेमौसम बारिश ने दस्तक दी है। पिछले दो दिनों से राज्य के विभिन्न हिस्सों में तूफानी बारिश हो रही है, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार, बीते २४ घंटों में देशभर में मौसम ने अचानक करवट ली है। महाराष्ट्र के अधिकतर हिस्सों में बादलों की गड़गड़ाहट के साथ हल्की बारिश हुई है और बादल छाए रहने के कारण गर्मी से कुछ राहत भी मिली है।

मुंबई और कोकण क्षेत्र में हुई तेज़ बारिश से नागरिकों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। पिछले सप्ताह से चल रही तेज़ गर्मी के कारण लोगों को

अब कुछ राहत महसूस हो रही है। हालांकि, बेमौसम बारिश के कारण राज्यभर में खेती को भारी नुकसान पहुंचा है। इस बीच, मौसम विभाग ने आज भी महाराष्ट्र के अधिकांश क्षेत्रों में तेज़ बारिश की संभावना जताई है और हाई अलर्ट जारी किया है। ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, कोकण क्षेत्र में मध्यम तीव्रता के बादल देखे गए हैं, जबकि राज्य के आंतरिक भागों में बारिश का जोर बना रहेगा। मुंबई और ठाणे में बीते २४ घंटों में हुई बारिश के कारण तापमान में लगभग ६ से ७ डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। मौसम में अचानक आए इस बदलाव के कारण विशेषज्ञों ने स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति सतर्कता बरतने की सलाह दी है। मौसम विभाग के अनुसार, वर्तमान में चक्रवाती हवाओं की स्थिति उत्तर-पूर्वी अरब सागर में बनी हुई है और मध्य प्रदेश से लेकर दक्षिण कोकण तक एक निम्न दबाव का क्षेत्र सक्रिय है। इसी कारण महाराष्ट्र के अधिकांश हिस्सों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

आज कोकण, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और विदर्भ के अनेक हिस्सों में 'येलो अलर्ट' घोषित किया गया है। हालांकि, कल से कोकण और मध्य महाराष्ट्र में बारिश की तीव्रता कुछ कम होने की संभावना है, लेकिन विदर्भ में अगले तीन दिन तक बारिश का ही माहौल बना रहेगा। मध्य महाराष्ट्र के कुछ जिलों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना व्यक्त की गई है।

मालेगांव बम धमाका मामला: फैसले की तारीख ३१ जुलाई तक टली

ज़मीर काज़ी । मुंबई

२००८ में मालेगांव में हुए बम धमाके के मामले में आज आने वाला फैसला अब ३१ जुलाई तक के लिए टाल दिया गया है। यह मामला पिछले १७ वर्षों से चल रहा है और मुंबई सत्र न्यायालय स्थित विशेष एनआईए कोर्ट ने १९ अप्रैल को फैसला सुरक्षित रख लिया था।

इस मामले में साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर, समीर कुलकर्णी, रमेश उपाध्याय, अजय राहिरकर, सुधाकर चतुर्वेदी और सुधाकर द्विवेदी के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया गया है। उल्लेखनीय है कि मालेगांव के एक धार्मिक स्थल के बाहर २००८ में बम धमाका हुआ था, जिसमें ६ लोगों की मौत और १०१ लोग घायल हुए थे।

विशेष कोर्ट को इस मामले में १ लाख से अधिक पन्नों का अध्ययन करना है, जिस वजह से निर्णय के लिए अतिरिक्त समय की आवश्यकता बताई गई है। अब कोर्ट ने अगली सुनवाई की तारीख ३१ जुलाई तय की है।

मालेगांव बम धमाका केस की पृष्ठभूमि

मालेगांव विस्फोट मामले की सुनवाई विशेष एनआईए कोर्ट के न्यायाधीश एल.के. लाहोटी के समक्ष चल रही है। इस मुकदमे में सरकारी पक्ष की ओर से ३२३ गवाहों की गवाही दर्ज की गई, जिनमें से ३४ गवाह अपने बयान से पलट गए हैं।

इस केस में जिन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा चल रहा है, वे हैं - साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित, सेवानिवृत्त मेजर रमेश उपाध्याय, अजय राहिरकर, सुधाकर द्विवेदी उर्फ स्वामी अमृतानंद, सुधाकर चतुर्वेदी और समीर कुलकर्णी। इन सभी पर हत्या, आतंकवाद विरोधी कानून और गैरकानूनी गतिविधि निरोधक अधिनियम के तहत केस चल रहा है। वहीं, इस मामले में श्याम साहू, प्रवीण टकल्की, रामजी कालसंगरा और संदीप डांगे को फरार घोषित किया गया है।

भारत-पाकिस्तान में तनाव बढ़ा, पंजाब किंग्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स मैच रद्द

नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग २०२५ में धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में गुरुवार (८ मई) को पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मैच सुरक्षा कारणों से रद्द घोषित कर दिया गया। समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार भारत-पाकिस्तान में बढ़े तनाव के बीच आस-पास के इलाकों में हवाई हमले की चेतावनी के बाद इस मैच को रद्द करने का फैसला लिया गया। धर्मशाला में ११ मई को होने वाला पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस मैच पहले ही अहमदाबाद शिफ्ट हो चुका है।

पंजाब किंग्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स मैच जब रद्द घोषित किया गया उस समय पंजाब किंग्स की पारी के १०.१ ओवर फेंके जा चुके थे। ११वें ओवर की पहली गेंद पर प्रियांश आर्या के आउट होने के बाद जानकारी सामने आई कि फ्लडलाइट्स बंद होने के कारण मैच

रोकना पड़ा। इसके बाद खिलाड़ी और अंपायर मैदान से बाहर चले गए। सुरक्षा के मद्देनजर मैदान को खाली करा दिया गया और मैच रद्द होने की जानकारी सामने आई।

लाइट चले जाने के कारण फ्लडलाइट्स बंद हुई थीं। पंजाब किंग्स ने १०.१ ओवर में १ विकेट पर १२२ रन बना लिए थे। प्रभसिमरन सिंह ५० रन बनाकर क्रीज पर थे। प्रियांश आर्या ७० रन बनाकर आउट हुए। नटराजन को विकेट मिला। पंजाब किंग्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था।

बारिश के कारण तय समय भारतीय समयानुसार शाम ७ बजे से टॉस नहीं हो सका। ७.३० बजे मैच नहीं शुरू हो सका। बारिश रुकने के बाद आईपीएल ने जानकारी दी है कि रात ८ बजे मैदान का निरीक्षण हुआ। भारतीय समयानुसार रात ८.१५ बजे टॉस हुआ। ८.३० बजे से मैच खेला जाएगा। ओवर्स नहीं कटे। श्रेयस अय्यर ने पंजाब किंग्स की बैटिंग लाइन अप में बदलाव नहीं होने की जानकारी दी। दिल्ली कैपिटल्स की प्लेइंग ११ में करुण नायर की जगह समीर रिजवी को मौका मिला। विपराज निगम की जगह माधव तिवारी को मौका मिला।

तस्वीर नामा (दोहे)

नई उड़ान

पढ़ी मदरसा खूब वो, क़लम बनी तलवार।
वो सोफिया मिसाल हैं, नारी का श्रृंगार।।
मजह भी बताए सिखाए है धर्म।
वतन कि प्रित हि कन कन कर्म।।
ना चूड़ी ना घूँघट रहा, ना कोई संकोच।
वो मिसाइलों संग चली, बन कर सोच।।
माँ की दुआ, पिता का बल, और होश
बेटियाँ बना रहीं,नव भारत का जोश।
बदली उजली पंक्चर कि तकदीर।
शेरनी तोहे आहट मे भारत कि तस्वीर।

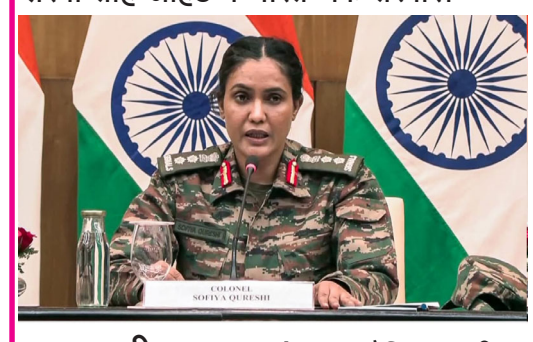

– काजी मखदूम,संपादक दैनिक तामीर,
९२७०५७४४४४

नोट, इस तस्वीर नामे का मकसद नई नस्ल में राष्ट्रीय प्रेम को और बढ़ाना है।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

डॉ. अल्लामा इक़बाल उर्दू जूनियर कॉलेज रिसोड़ में मेधावी छात्राओं के सम्मान में स्वागत समारोह आयोजित

वाशिम (मुहम्मद शाकिर हमदर्द):

डॉ. अल्लामा इक़बाल उर्दू जूनियर कॉलेज, रिसोड़ में हाल ही में घोषित बारहवीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं के सम्मान में एक भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया गया।

इस समारोह की अध्यक्षता प्रसिद्ध शिक्षाविद व सामाजिक शख्सियत अल्हाज मुहम्मद कबीर मोहसिन साहब ने की। समारोह की विशेष बात यह रही कि इसमें बड़ी संख्या में शिक्षकगण, अभिभावक और सम्मानित मेहमान उपस्थित थे।

समारोह की शुरुआत में आर्ट्स और साइंस फैकल्टी में विशिष्ट अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया गया।

कॉलेज का कुल परिणाम:

आर्ट्स फैकल्टी का परिणाम: ७८.३७%

कुल ३७ विद्यार्थियों में से २९ उत्तीर्ण हुए।

साइंस फैकल्टी का परिणाम: ९२.९८%

कुल ५७ विद्यार्थियों में से ५३ विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त की।

दोनो फैकल्टियों का संयुक्त परिणाम: ८७.२३%

कुल ९४ विद्यार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया, जिनमें से ८२ उत्तीर्ण हुए और १२ विद्यार्थी दोबारा परीक्षा देने के पात्र घोषित किए गए।

प्रमुख स्थान प्राप्त करने वाली छात्राएं:

आर्ट्स फैकल्टी:

प्रथम स्थान: अज़रा तहरीन अमान खान – ७६.३३%

द्वितीय स्थान (संयुक्त):

आसिया परवीन मुहम्मद अशफाक – ६८.१७%

सहरिश अनम ज़ुबैर खान – ६८.१७%

तृतीय स्थान: अर्शिया अलमास एवाज़ खान – ६७.५०%

साइंस फैकल्टी:

प्रथम स्थान: शिबा सहर मुहम्मद इजाज़ खान – ७०.३३%

द्वितीय स्थान: फरहीन कौसर इफ्तिखार अहमद – ७०%

तृतीय स्थान: अज़रम सदाफ़ मुहम्मद समीर – ६८.८३%

समारोह में जूनियर लेक्चरर मुहम्मद अबुल आला ने परिणाम की जानकारी प्रस्तुत की और सफलतापूर्वक मंच संचालन किया।

शिक्षकों ने अपने संबोधन में छात्राओं की मेहनत, अनुशासन और लगन की प्रशंसा की तथा उन्हें भविष्य में भी इसी उत्साह से आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

अध्यक्षता कर रहे अल्हाज मुहम्मद कबीर मोहसिन साहब ने कहा:

यह सफलताएं इस बात का प्रमाण हैं कि हमारी बेटियां न केवल शैक्षणिक रूप से प्रतिभाशाली हैं, बल्कि वे राष्ट्र का उज्ज्वल भविष्य भी हैं। संस्थान सदैव उनके मार्गदर्शन और प्रशिक्षण में अग्रणी रहेगा। साथ ही उन्होंने छात्रों के अपेक्षाकृत कम परिणाम पर चिंता भी व्यक्त की।

समारोह के अंत में प्राचार्य ज़मीर अहमद खान ने सभी अभिभावकों, शिक्षकों और छात्राओं का आभार व्यक्त किया और इस संकल्प के साथ कार्यक्रम का समापन किया कि संस्थान भविष्य में भी शिक्षा के क्षेत्र में नई मिसाल कायम करता रहेगा।

बीड में पकड़ा गया नकली आरटीओ अधिकारी

बीड, ८ मई (प्रतिनिधि):

शहर के बायपास पर आरटीओ जैसी हूबहू गाड़ी और खाकी कपड़े पहनकर वाहन रोकने और वसूली करने की शिकायत पर बीड आरटीओ द्वारा दर्ज कराई गई रिपोर्ट के बाद एलसीबी (स्थानीय अपराध शाखा) ने दो व्यक्तियों को रंगे हाथ पकड़ लिया। आरोपियों के पास से कुल ११ लाख ५८ हजार रुपये का मुद्देमाल जब्त किया गया, जिसमें नकद राशि, मोबाइल और आरटीओ जैसी स्कॉर्पियो गाड़ी शामिल है।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम हैं:

अजय बालाजी गाडगे (२४ वर्ष), निवासी अमृत नगर, घाटकोपर, मुंबई

दिनेश मंगल धनसर (३८ वर्ष), निवासी कलीना, मुंबई

दोनों आरोपी खुद को आरटीओ अधिकारी बताकर सोलापुर-धुले महामार्ग पर बीड शहर के बायपास पर वाहनों को रोककर वसूली कर रहे थे। इस संबंध में बीड के आरटीओ गणेश विघ्ने ने बीड ग्रामीण पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। मामला गंभीर होने के कारण बीड एलसीबी ने जांच शुरू की।

सूत्रों से जानकारी मिलने पर एलसीबी टीम ने बायपास क्षेत्र में छापा मारा और संदिग्ध स्कॉर्पियो गाड़ी तथा दोनों आरोपी मौके से पकड़े गए। एक आरोपी ने आरटीओ जैसी खाकी वर्दी पहन रखी थी। पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि वे किसी सरकारी पद पर नहीं हैं। उन्होंने कबूल किया कि स्कॉर्पियो गाड़ी खरीदी, उसे आरटीओ जैसी हूबहू बनाई, खाकी ड्रेस सिलवाई और घाटकोपर से नासिक, शिर्डी, अहमदनगर (अहलियानगर) और बीड तक भ्रमण कर वाहनों को रोककर नकद व ऑनलाइन वसूली की।

कर्नल सोफिया और भारतीय फौज़ में मुसलमान

लेखक विवेक शुक्ला दिल्ली, देश के जाने-माने पत्रकार हैं, दैनिक तामीर परिवार के स्नेही, उन का लेख देश के मुस्लिम समाज में उर्जा भरने वाला भी है।

रोखठोक

विवेक शुक्ला, दिल्ली

भारतीय फौजों के पाकिस्तान में किए गए ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद बुधवार को विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी और एयरफोर्स की विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने मीडिया को भारतीय कार्रवाई की जानकारी दी। इसके बाद सोशल मीडिया पर सोफिया कुरैशी को लेकर कहा जाने लगा कि वो भारतीय फौज का मुस्लिम चेहरा हैं।

भारतीय सेना का इतिहास वीरता, बलिदान और समर्पण की कहानियों से भरा हुआ है, और इसमें मुस्लिम समुदाय के वीरों का योगदान अविस्मरणीय और महत्वपूर्ण रहा है। सेना की प्रकृति धर्मनिरपेक्ष है, जहाँ सैनिक की पहचान उसकी वर्दी और देश के प्रति उसकी निष्ठा होती है, न कि उसका धर्म।

दरअसल भारतीय सेना में शुरू से ही मुसलमानों की ठीक-ठाक नुमाइंदगी रही है। आपको पता ही होगा एयर चीफ मार्शल इदरीस हसन लतीफ के संबंध में। वे १ सितंबर, १९७८ से ३१ अगस्त, १९८१ तक भारतीय एयरफोर्स के एय़र चीफ मार्शल थे। वे फाइटर पायलट थे। उन्होंने १९६५ और १९७१ की जंगों में पाकिस्तान पर जमकर प्रहार किया था। क्या उन्हें उनके मजहब के आधार पर शिखर पद मिला था? वे समर नीति के एक्सपर्ट थे। उन्हीं की अगुवाई में देश के पहले गण तंत्र दिवस की फ्लाईपास्ट निकली थी।

'नौशेरा का शेर'

'नौशेरा का शेर' कहे जाने वाले ब्रिगेडियर उस्मान ने १९४७-४८ के युद्ध में पाकिस्तानी कबायलियों और सेना के आक्रमण का बहादुरी से सामना किया। उन्होंने विभाजन के समय पाकिस्तानी सेना में उच्च पद का प्रस्ताव ठुकराकर भारतीय सेना में रहने का निर्णय लिया था। नौशेरा और झंगड़ की लड़ाई में उनके नेतृत्व में भारतीय सेना ने जीत हासिल की। ३ जुलाई १९४८ को वे झंगड़ में दुश्मन की गोलाबारी में वीरगति को प्राप्त हुए। उन्हें मरणोपरांत महावीर चक्र से सम्मानित किया गया। वे भारतीय सेना के सर्वोच्च रैंक वाले अधिकारी थे जो युद्धभूमि में शहीद हुए।

ब्रिगेडियर मोहम्मद उस्मान जामिया मिलिया कब्रिस्तान में चिर निद्रा में हैं। अब उनके परिवार के लोग यहां नहीं आ पाते। उन्हें गुजरे हुए एक अर्सा हो गया है। स्मृतियां धूमिल हो रही हैं, पर उन्हें भुलाया तो नहीं जा सकता। जब उन्होंने अपने देश के लिए अपनी जान का नजराना दिया तो उनके ३६वें जन्मदिन में १२ दिन बाकी थे। उनके जनाज़े में भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू अपने मंत्रिमंडल के सदस्यों के साथ मौजूद थे। इसके तुरंत बाद ब्रिगेडियर मोहम्मद उस्मान को मरणोपरांत महावीर चक्र देने की घोषणा कर दी गई थी।

फैज अहमद फैज का एक शेर है 'कर रहा था ग़म-ए-जहाँ का हिसाब,आज तुम याद बे-हिसाब आए।' हर साल ३ जुलाई को ब्रिगेडियर मोहम्मद उस्मान की पुण्यतिथि पर जामिया मिलिया कब्रिस्तान में उनकी कब्र के आसपास बहुत हलचल रहती है। उन्हें भारतीय सेना के जवान और अफसर श्रद्धांजलि देने के लिए आते हैं।

दिलेरी हवलदार अब्दुल हमीद की सारा भारत सदैव हवलदार अब्दुल हमीद का कृतज्ञ रहे। उन्हें १९६५ के भारत-पाक युद्ध में खेमकरण सेक्टर में अद्भुत वीरता दिखाने के लिए मरणोपरांत परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया। उन्होंने अपनी रिकॉयलेस गन से अकेले ही पाकिस्तान के कई अजेय माने जाने वाले पैटन टैंकों को नष्ट कर दिया था, जिससे दुश्मन की बढ़त रुक गई। उनकी वीरता ने युद्ध का रुख बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

शहीद अब्दुल हमीद गाजीपुर (उ.प्र.) से थे। वे १९५४ में सेना में शामिल हुए। उन्हें अपने सेवा काल में सैन्य सेवा मेडल, समर सेवा मेडल और रक्षा मेडल से सम्मानित किया गया था। उन्हें १९६५में पाकिस्तान युद्ध में असाधारण बहादुरी के लिए महावीर चक्र और परमवीर चक्र प्राप्त हुआ।

भारत की १९६५ की जंग में भारत विजय की कहानी अब्दुल हमीद सरीखे शूरवीरों के रणभूमि में जौहर दिखाए बिना नामुमकिन थी।आज भी सारे देश का बच्चा-बच्चा हवलदार अब्दुल हमीद का कृतज्ञता से स्मरण करता है।

वीर चक्र विजेता मेजर मोहम्मद जकी ने १९६५ के भारत-पाक युद्ध के दौरान, हाजी पीर दर्रे के पास एक महत्वपूर्ण पहाड़ी पर कब्जा करने के लिए अपनी कंपनी का नेतृत्व किया। भारी दुश्मन गोलीबारी और कठिन इलाके के बावजूद, उन्होंने असाधारण साहस और नेतृत्व का प्रदर्शन करते हुए अपनी कंपनी को लक्ष्य तक पहुंचाया और दुश्मन को भारी नुकसान पहुंचाया। इस कार्रवाई के लिए उन्हें वीर चक्र से सम्मानित किया गया।

कारगिल की कहानी

अगर बात कारगिल युद्ध (१९९९) की करे तो उसमें , कैप्टन हनीफ उद्दीन ने तुर्तुक सेक्टर में एक अत्यंत दुर्गम चौकी पर दुश्मन से लड़ते हुए अदम्य साहस का परिचय दिया। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद वे अंतिम सांस तक लड़ते रहे और अपनी पोस्ट की रक्षा करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए। उन्हें मरणोपरांत वीर चक्र से सम्मानित किया गया।

इनके अलावा भी अनगिनत मुस्लिम अधिकारी और जवान हैं जिन्होंने विभिन्न युद्धों, शांति अभियानों और आतंकवाद विरोधी अभियानों में असाधारण वीरता और समर्पण का परिचय दिया है। इनमें से कई को विभिन्न शौर्य पुरस्कारों जैसे कीर्ति चक्र, शौर्य चक्र, सेना मेडल आदि से सम्मानित किया गया है।

दरअसल भारतीय फौज में हिन्दू, मुसलमान, सिख, ईसाई, पारसी, यहुदी सब हैं। भारत अपने शूरवीरों का धर्म नहीं देखता।

भारतीय सेना के शूरवीर अपने को पहले भारतीय मानते हैं,बाद में कुछ और।यह भावना उनमें कूट-कूट कर भरी होती है। आपको मालूम ही है कि सन १९७१ की जंग के दौरान भारतीय सेना के प्रमुख पारसी मतावलंबी सैम मानेकशॉ थे और ढाका में सारे विजय अभियान को लेफ्टिनेंट जनरल जे.एफ.आर. जैकब और इनके बॉस लेफ्टिनेंट जनरल जे.एस. अरोड़ा देख रहे थे। वे क्रमश: यहूदी और सिख थे। लेकिन, ये सभी सेना प्रमुख सबसे पहले भारतीय थे। सारा देश रणभूमि के वीरों और शहीदों को नमन करता है। देश को इनके मजहब से कोई लेना-देना नहीं है। देश तो अपनी सेना और सैनिकों का दिल की गहराई से सम्मान करता है।

दैनिक स्वदेश और वीर अर्जुन
८ मई २०२५

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com